PRESS / MEDIA COVERAGE OVER BLW, VARANASI

<u>अमर उजाला, वाराणसी (पृष्ठ सं.-02)</u>

<u>दिनांक: 11.05.2022</u>

बरेका में इस वर्ष 450 इंजन तैयार करने का लक्ष्य

संवाद न्यूज एजेंसी

वाराणसी। बरेका में तैयार डीजल रेल इंजन की मांग विदेशों में बढ़ रही है। मलेशिया, मालदीव, श्रीलंका जैसे 11 देशों को 171 रेल इंजनों के निर्यात के बाद अब इसी कड़ी में मंगलवार को जिम्बांबे से कोटेशन (एक इंजन के निर्माण खर्च का ब्योरा) की प्रक्रिया पूरी हो गई। अब अंतरराष्ट्रीय निविदा की प्रक्रिया के बाद बरेका में केप गेज और मीटर गेज के डीजल इंजन का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा मोजांबिक की ओर से कोटेशन की मांग की गई।

बरेका के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विजय ने बताया कि जिम्बांबे से 3000

बरेका में तैयार रेल इंजनों की विदेशों में बढ़ी मांग

अश्व शक्ति के डीजल इंजन की मांग की गई है। इसमें जिम्बांबे की ओर से कोटेशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द अंतरराष्ट्रीय निविदा की प्रक्रिया के बाद बरेका में केप गेज और मीटर गेज के डीजल इंजन का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ अफ्रीकी देश मोजांबिक से एक बार फिर कोटेशन की मांग आई है। इससे पहले मोजांबिक को तीन हजार अश्व शक्ति के तीन इंजन का निर्यात किया जा चुका है।

निर्यात की बढ़ी उम्मीद

विजय ने बताया कि विदेशों से रेल इंजनों की मांग के देखते हुए इस वित्त वर्ष में केप गेज, मीटर, ब्राड गेज के 450 इंजन तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक हैं। पिछले वित्त वर्ष 363 इंजनों का निर्माण किया गया था। इसमें सर्वाधिक विद्युत इंजन शामिल थे। वित्त 2022-23 के 450 इंजनों के लक्ष्य के सापेक्ष चार डीजल इंजन तैयार किए जा चुके हैं। इन चार इंजनों के निर्यात की उम्मीद है।